क़ुरआन क्यों और कैसे सीखें (2 का भाग 2)

रेटगि:

वविरण: ????? ????? ?? ????? ??? ???? ?????? ?? ???? ???? ?? ??? ?????????? ??????? ?? ?????? ????? ???

श्रेणी: पाठ › पवत्रि क़ुरआन

द्वारा: Imam Mufti (© 2015 IslamReligion.com)

प्रकाशति हुआ: 08 Nov 2022

अंतमि बार संशोधति: 07 Nov 2022

उद्देश्य:

·क़ुरआन सीखने पर पैगंबर मुहम्मद की पांच खूबसूरत हदीस सीखना।

·यह जानना कि कितिनी बार पढ़ना है, कतिना पढ़ना है और कब पढ़ना है।

·क़ुरआन को ध्यान से सुनने और याद करने के महत्व को समझना।

अरबी शब्द:

·???? - (बहुवचन - हदीसें) यह एक जानकारी या कहानी का एक टुकड़ा है। इस्लाम में यह पैगंबर मुहम्मद और उनके साथियों के कथनों और कार्यों का एक वर्णनात्मक रिकॉर्ड है।

पैगंबर मुहम्मद के शब्दों में क़ुरआन सीखने का महत्व

1. "आप में से सबसे अच्छे वे हैं जो क़ुरआन सीखते और सिखाते हैं।"[1]

2. "मनुष्यों में अल्लाह के अपने लोग हैं।" साथियों ने कहा: "ऐ अल्लाह के दूत, वे कौन हैं?" पैगंबर ने कहा: "क़ुरआन वाले, अल्लाह वाले और जो अल्लाह के सबसे करीबी हैं।"[2]

3. "यह क़ुरआन अल्लाह की दावत है। जितिना हो सके अल्लाह की दावत से सीखो। यह क़ुरआन अल्लाह की रस्सी है, और यह स्पष्ट प्रकाश और [प्रभावी और फायदेमंद] उपचार है। यह एक

सुरक्षा है जो उससे जुड़ा रहता है और जो उसका अनुसरण करता है उसके लिए एक बचाव। यह टेढ़ा नहीं है और इसलिए चीजों को सीधा करता है। यह भटकाता नही है इसलिए इस पर दोष नही है। इसके चमत्कार असीमित हैं। इसे बार-बार दोहराने पर भी उबाऊ नहीं है। इसलिए इसे पढ़ें क्योंकि अल्लाह हर शब्द पढ़ने के लिए पुरस्कृत करेगा..." (इसके अलावा अब्दुल्ला इब्न मसूद ने कहा, "यह क़ुरआन अल्लाह की दावत है। जो भी इसमें प्रवेश करता है वह सुरक्षित है।")[3]

क़ुरआन इस अर्थ में एक 'दावत' है कि यह बहुत लाभ की चीज है जिसे अल्लाह ने लोगों के लिए बनाया है और फिर उन्हें इसमें आमंत्रित किया है।

4. "...जिन लोगों का समूह अल्लाह के घर (मस्जिद) में इकट्ठा होता है, अल्लाह की किताब पढ़ता है और आपस में इसका अध्ययन करता है - उन पर शांति उतरती है, वे अल्लाह की दया से ढका हुआ और उनके चारो ओर स्वर्गदूत होते हैं - और अल्लाह इन लोगो का उल्लेख उच्च स्वर्गदूतों के साथ करता है।"[4]

5. "जो कोई भी सर्वशक्तिमान अल्लाह की किताब का एक छंद सिखाएगा, उसे उस छंद के पढ़े जाने पर हर बार इनाम दिया जाएगा।"[5]

क़ुरआन पढ़ने के व्यावहारिक दिशानिर्देश

कितनी बार पढ़ना है?

हर दिन आपको थोड़ा क़ुरआन पढ़ना चाहिए। वास्तव में किसी दिन को तब तक पूरा न समझें जब तक कि आपने क़ुरआन के साथ कुछ समय न बिताया हो। लंबे भागों को कभी-कभार पढ़ने की तुलना में नियमित रूप से छोटा हिस्सा पढ़ना बेहतर है।

कितना पढ़ना है?

इसका कोई निश्चित उत्तर नहीं है। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति और स्थिति से स्थिति में भिन्न होता है। दिशानिर्देश वह है जो अल्लाह ने कहा है: **'पढ़ो जितना सरल हो उसमें से' (क़ुरआन 73:20)**

पढ़ने की मात्रा बहुत कुछ पढ़ने के उद्देश्य पर निर्भर करती है। यदि आप केवल क़ुरआन के साथ समय बिताना चाहते हैं, या एक त्वरित अवलोकन प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप बहुत तेजी से पढ़ सकते हैं और इसलिए अधिक पढ़ सकते हैं। यदि आप विचार करना चाहते हैं, तो आप बहुत धीमी गति से पढ़ सकते हैं और इसलिए कम पढ़ सकते हैं।

कब पढ़ना है?

क़ुरआन पढ़ने के लिए दिन या रात का कोई भी समय उपयुक्त है और किसी भी शारीरिक मुद्रा में पढ़ सकते हैं। अल्लाह कहता है,

“तथा स्मरण करें अपने पालनहार के नाम का, प्रातः तथा संध्या (के समय)।” (क़ुरआन 76:25)

“जो खड़े, बैठे तथा सोए (प्रत्येक स्थिति में,) अल्लाह की याद करते” (क़ुरआन 3:191)

कुछ विशिष्ट समय हैं जो अधिक वांछनीय और फायदेमंद हैं क्योंकि वे अल्लाह और उसके पैगंबर द्वारा अनुशंसित हैं। कुछ अनुशंसित आसन भी हैं। पढ़ने का सबसे उत्तम समय रात का है और सबसे वांछनीय आसन प्रार्थना में खड़े होना है। ऐसा करने के लिए जरूरी है कि आप क़ुरआन के कुछ हिस्सों को याद करें और रात में कुछ देर जगे रहें। आप विभिन्न कारणों से हर समय ऐसा करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं और क़ुरआन ऐसी सीमाओं को पहचानता है, इसलिए, 'हर समय' और 'हर आसन' और 'कोई भी भाग' पढ़ने की अनुमति है।'

अरबी में सही ढंग से पढ़ना सीखें

अरबी लिपि सीखने और क़ुरआन को सही ढंग से पढ़ना सीखने में कुछ समय और प्रयास लगेगा। एक योग्य शिक्षक से सीखना सबसे अच्छा है, लेकिन अगर आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो आप क़ुरआन सीखने वाली किसी भी ऑनलाइन वेबसाइट से सीख सकते हैं। लगभग एक वर्ष के लिए सप्ताह में तीन से पांच दिन आधा घंटा समर्पित करें और आप अरबी में क़ुरआन पढ़ना सीख जायेंगे।

ध्यान से सुनना

जबकि आप क़ुरआन को तुरंत पढ़ने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, आप मुफ्त एमपी 3 फाइलें डाउनलोड कर सकते हैं और इसे अपने स्मार्टफोन या कंप्यूटर पर सुन सकते हैं। ध्यान से सुनो और जब भी क़ुरआन पढ़ा जा रहा हो तो शांत हो जाओ। क़ुरआन स्वयं यही आदेश देता है: "**और जब क़ुरआन पढ़ा जाये, तो उसे ध्यान पूर्वक सुनो तथा मौन साध लो। शायद कि तुमपर दया की जाये।” (क़ुरआन 7:204)**

क़ुरआन सुनते समय आपको बात नहीं करनी चाहिए।

क़ुरआन याद करें

जितना हो सके क़ुरआन को याद करें। याद करना क़ुरआन को आप तक पहुंचाने का एक अनिवार्य तरीका है। यह कोई यांत्रिक कर्मकांड नहीं है। यह उच्च आध्यात्मिक और भक्ति महत्व का कार्य है। केवल याद करके ही आप प्रार्थना में क़ुरआन पढ़ सकते हैं और बोलने वाले की उपस्थिति में खड़े होने पर इसके अर्थ पर विचार कर सकते हैं। इससे क़ुरआन आपकी जुबान पर प्रवाहित होता है, आपके दिमाग में रहता है, आपके दिल में रहता है। यह आपका निरंतर साथी बन जाता है। याद करने का सबसे अच्छा तरीका एक योग्य शिक्षक से सीखना है है, लेकिन अगर कोई उपलब्ध नहीं है, तो आप एक ऑनलाइन शिक्षक का उपयोग कर सकते हैं। इसे अपने आप याद करना बहुत मुश्किल होगा।

मुफ्त संसाधन

·http://www.tvquran.com/en/

·http://quranicaudio.com/

·http://www.quranexplorer.com/Quran/Default.aspx

·http://www.clearquran.com

·http://www.quranful.com

·अपने स्मार्टफोन या टैबलेट मे आईट्यूनस या गूगल प्ले पर 'क़ुरआन' कीवर्ड के साथ सस्वर पाठ ऐप खोजें।

फुटनोट:

[1]	??????, ????????
[2]	???? ????
[3]	????
[4]	??? ????

[5] ??-??????? ??-?????

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/297

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।